क्र. संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	विषय का नाम	पाठ्यक्रम की अवधि	निर्धारित स्थान/सीट	योग्यता
1.	शास्त्री	वेद	3 वर्ष	50 (प्रति विषय)	विशारद/ 10+2/ समकक्ष

- **भविष्य में रोजगार के अवसर –**
  1. वेद अध्ययन से प्रशासनिक सेवा में अवसर ।
  2. भारतीय शिक्षा बोर्ड से सम्बद्ध विद्यालयों में अध्यापन का अवसर ।
  3. वैदिक चिकित्सकीय व्यवस्थाप्रणाली से चिकित्सा क्षेत्र में अवसर ।
  4. वैदिक कृषि अध्ययन से राजकीय कृषि विभागों में रोजगार के अवसर ।
  5. अथर्ववेदीय सूक्तों के अध्ययन से मनोचिकित्सक के रूप में अवसर ।
  6. वैदिककालीन शिल्पविज्ञान के अध्ययन से रोजगार के अवसर।
  7. वैदिक अनुसंधान के व्यापक क्षेत्र में से किसी एक क्षेत्र में प्रोजेक्ट के रूप में स्वतंत्र रूप में कार्य करने का अवसर ।
  8. शास्त्री के बाद शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) करके विद्यालय में टी.जी.टी., पी.जी.टी. अध्यापक का अवसर ।
  9. शास्त्री के साथ कर्मकाण्ड का डिप्लोमा करके भारतीय सेना में धर्मगुरु (J.C.O.) बनने का अवसर ।
  10. पांरम्परिक संस्कृत गुरुकुलों में वेदाचार्य के पद पर कार्य करने का अवसर ।
  11. वैदिक अध्ययन से संबन्धित स्वतन्त्र संस्थाओं में निदेशक के रुप में कार्य करने का अवसर ।
  12. शास्त्री के बाद स्नातकोत्तर एवं नेट / पीएच्. डी. करके महाविद्यालयों / विश्वविद्यालयों में सहायक आचार्य (Assistant Professor) बनने का अवसर ।